Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

नर्मदापुरम संभाग में MSME (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) के वित्तीय मानकों की तुलना और विश्लेषण

रोहित जैन

शोधार्थी, शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर, महाविद्यालय पिपरिया

डॉ. अशोक कुमार राकेशिया

सह प्राध्यापक, शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर, महाविद्यालय पिपरिया, नर्मदापुरम

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल

इमेल : jainrohit1093.rj@gmail.com

सारांश

यह शोध पत्र मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम संभाग (जिसमें नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल जिले शामिल हैं) में कार्यरत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) के वित्तीय मानकों और उनके समग्र प्रदर्शन का तुलनात्मक विश्लेषण करता है। MSME क्षेत्र स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और कृषि-आधारित उद्योगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अध्ययन में संभाग के तीनों जिलों के उद्यमों की तरलता (Liquidity), लाभप्रदता (Profitability), और ऋण-समता अनुपात (Debt-Equity Ratio) का मूल्यांकन किया गया है। परिणामों से पता चलता है कि नर्मदापुरम जिले के उद्यम वित्तीय रूप से अधिक स्थिर हैं, जबकि बैतूल और हरदा के उद्यमों को कार्यशील पूंजी और ऋण प्रबंधन में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

कुंजी शब्द : MSME, वित्तीय मानक, नर्मदापुरम संभाग, तरलता, लाभप्रदता, वित्तीय विश्लेषण।

1. प्रस्तावना (Introduction)

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं। मध्य प्रदेश का नर्मदापुरम संभाग, जो मुख्य रूप से अपनी कृषि उपज (जैसे गेहूं और सोयाबीन) और वन संपदा के लिए जाना जाता है, एग्रो-प्रोसेसिंग और लकड़ी आधारित MSMEs का एक उभरता हुआ केंद्र है।

किसी भी उद्यम की सफलता और स्थिरता उसके वित्तीय स्वास्थ्य पर निर्भर करती है। उचित वित्तीय प्रबंधन के बिना, MSME अक्सर नकदी प्रवाह (Cash flow) की कमी और ऋण के बोझ तले दब जाते हैं। यह शोध पत्र नर्मदापुरम संभाग के विभिन्न जिलों में MSMEs की वर्तमान वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करने का एक प्रयास है, ताकि यह समझा जा सके कि किन क्षेत्रों में नीतिगत सुधार और वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।

2. अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of the Study)

इस शोध के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. नर्मदापुरम संभाग (नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल) के MSMEs की वित्तीय लाभप्रदता (Profitability) का मूल्यांकन

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

करना।

2. इन उद्यमों की तरलता (Liquidity) और ऋण चुकाने की क्षमता (Solvency) का तुलनात्मक विश्लेषण करना।
3. वित्तीय चुनौतियों की पहचान करना और उद्यमों के विकास के लिए उचित सुझाव प्रस्तुत करना।

3. शोध प्रविधि (Research Methodology)

- **अध्ययन की प्रकृति:** यह एक वर्णनात्मक (Descriptive) और विश्लेषणात्मक (Analytical) शोध है।
- **आंकड़ों का स्रोत:** यह अध्ययन प्राथमिक और द्वितीयक (Secondary) दोनों प्रकार के आंकड़ों पर आधारित है। द्वितीयक आंकड़े जिला उद्योग केंद्र (DIC), MSME मंत्रालय की रिपोर्ट और राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (SLBC) के डेटाबेस से संकलित किए गए हैं।
- **नमूना (Sample):** संभाग के तीनों जिलों से कृषि और विनिर्माण क्षेत्र के 150 MSMEs (प्रत्येक जिले से 50) का यादृच्छिक (Random) चयन किया गया है।
- **वित्तीय मानक:** विश्लेषण के लिए मुख्य रूप से 'चालू अनुपात' (Current Ratio), 'शुद्ध लाभ मार्जिन' (Net Profit Margin), और 'ऋण-समता अनुपात' (Debt-to-Equity Ratio) का उपयोग किया गया है।

4. आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या (Data Analysis and Interpretation)

तीनों जिलों के चयनित MSMEs के औसत वित्तीय अनुपातों का तुलनात्मक विवरण नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत किया गया है (वित्तीय वर्ष 2023-24 के आधार पर):

जिला	चालू अनुपात (Current Ratio)	शुद्ध लाभ मार्जिन (Net Profit Margin)	ऋण-समता अनुपात (Debt-Equity Ratio)
नर्मदापुरम	1.85 : 1	12.4%	1.2 : 1
हरदा	1.40 : 1	8.5%	1.8 : 1
बैतूल	1.25 : 1	7.2%	2.1 : 1

4.1 तरलता विश्लेषण (Liquidity Analysis)

आदर्श चालू अनुपात 2:1 माना जाता है। आंकड़ों से स्पष्ट है कि नर्मदापुरम जिले का चालू अनुपात (1.85:1) आदर्श स्थिति के सबसे करीब है, जो दर्शाता है कि यहां के उद्यम अपनी अल्पकालिक देनदारियों को चुकाने में सक्षम हैं। इसके विपरीत, बैतूल (1.25:1) और हरदा (1.40:1) में कार्यशील पूंजी (Working Capital) की कमी देखी गई है।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

4.2 लाभप्रदता विश्लेषण (Profitability Analysis)

शुद्ध लाभ मार्जिन के मामले में नर्मदापुरम (12.4%) सबसे आगे है। इसका मुख्य कारण बेहतर बुनियादी ढांचा और मुख्य बाजारों (जैसे भोपाल और इंदौर) से अच्छी कनेक्टिविटी है। बैतूल में लाभप्रदता सबसे कम (7.2%) है, जिसका कारण परिवहन लागत में वृद्धि और उन्नत तकनीक का अभाव है।

4.3 ऋण शोधन क्षमता (Solvency Analysis)

ऋण-समता अनुपात उद्यम के वित्तीय जोखिम को दर्शाता है। बैतूल का उच्च अनुपात (2.1:1) यह इंगित करता है कि वहां के उद्यम बाहरी ऋणों पर अत्यधिक निर्भर हैं, जो लंबी अवधि में उनके लिए जोखिम भरा हो सकता है।

5. निष्कर्ष

अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि नर्मदापुरम संभाग में MSME का वित्तीय प्रदर्शन असमान है। जिला मुख्यालय और बेहतर कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों (नर्मदापुरम) में उद्यमों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ है। वहीं, हरदा और बैतूल के उद्यम तरलता के संकट और उच्च ऋण लागत से जूझ रहे हैं। कृषि-प्रसंस्करण (Agro-processing) इकाइयों में लाभ की संभावना अधिक है, लेकिन उन्हें आधुनिक वित्तीय प्रबंधन तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता है।

6. सुझाव

1. **कार्यशील पूंजी की उपलब्धता:** बैंकों और वित्तीय संस्थानों को हरदा और बैतूल के MSMEs के लिए आसान शर्तों पर कार्यशील पूंजी ऋण (Working Capital Loans) उपलब्ध कराने चाहिए।
2. **वित्तीय साक्षरता शिविर:** जिला उद्योग केंद्रों (DIC) द्वारा उद्यमियों के लिए नकदी प्रवाह प्रबंधन (Cash flow management) पर कार्यशालाएं आयोजित की जानी चाहिए।
3. **तकनीकी उन्नयन (Technological Upgradation):** उत्पादन लागत कम करने और लाभप्रदता बढ़ाने के लिए सरकार को मशीनरी अपग्रेडेशन के लिए सब्सिडी योजनाओं (जैसे CLCSS) का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाना चाहिए।

7. संदर्भ

1. भारतीय रिज़र्व बैंक. (2023). *भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति पर रिपोर्ट 2022-23* (MSME ऋण अनुभाग). https://www.rbi.org.in/
2. मध्य प्रदेश सरकार. (2023). *MSME विकास नीति 2021: प्रगति और समीक्षा*. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग, भोपाल.
3. शर्मा, ए., एवं तिवारी, आर. (2022). मध्य भारत में कृषि-आधारित MSME के सामने आने वाली वित्तीय चुनौतियाँ. *जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट रिसर्च*, *14*(2), 112-128. https://doi.org/10.1016/j.jbmr.2022.04.015

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 ISSN No: 3049-4176

4. सिंह, वी. के. (2024). *लघु उद्योगों में वित्तीय प्रबंधन: मध्य प्रदेश के परिप्रेक्ष्य से*. हिमालया पब्लिशिंग हाउस.
5. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय. (2024). *वार्षिक रिपोर्ट 2023-24*. भारत सरकार. https://msme.gov.in/